



Total No. of Printed Pages — 2

CCSME17

250016

PAPER / पत्र – II

NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 06

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150

समय : 3 घण्टे

निर्देश :

- (i) कुल छव ठो सवाल कर जबाब देउ। प्रश्न सं. 1 आउर 5 अनिवार्य हय।
- (ii) हरेक खंड से 1 आउर 5 अनिवार्य सवाल कर अलावे कम से कम एक ठो सवाल कर जबाब एक खंड से देवेक जरूरी हय।

खण्ड—‘क’

1. हेंठे देल सवालमन में से कोनो पाँच ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु। (7×5=35)
 - (क) नागपुरी भासा उद्भव आउर विकास उपरे चरचा कर।
 - (ख) सरबनाम के परिभासित करते इकर कइठो भेद होवेला? उदाहरण संगे लिखु।
 - (ग) नागपुरी में कय किसिम कर बचन होवेला? उदाहरण संगे बताऊ।
 - (घ) नागपुरी मरदानी झूमइर के उदाहरण संगे लिखु।
 - (ङ) नागपुरी पावस राग कर बारे में लिखु।
 - (च) नागपुरी लोक कथा कर बरगीकरण करते उदाहरण संगे समझाऊ।
 - (छ) नागपुरी लोकोक्ति आउर मुहावरा दूयो में अन्तर बताते तीन-तीन ठो लोकोक्ति, मुहावरा लिख के उकर अरथ बताऊ।
2. नागपुरी कर पहिल उपन्यास ‘चकरी’ कर बरनन बिस्तार से कर। 20
3. नागपुरी पद साहित कर विकास उपरे बिस्तार से चरचा कर। 20
4. नागपुरी साहित कर काल विभाजन में आधुनिक काल कर चरचा बिस्तार से कर। 20



खण्ड—'ख'

5. हेंठे देल सवालमन में से कोनो पाँच ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु। (7×5=35)
- (क) नागपुरी कवि 'कंचन' कर संक्षेप में परिचय देते उनकर एकठो किरिति लिखु।
- (ख) धनी राम बक्सी कर कोनो एक ठो गीत कर आसय लिखु।
- (ग) सहनी उपेन्द्र पाल 'नहन' कर जीवन परिचय देते उनकर कोनवे एक ठो किरिति लिखु।
- (घ) प्रमोद कुमार राँय इया मुकुन्द नायक कर कोनो एक ठो गीत कर भाव कर चरचा करु।
- (ङ) नागपुरी लोक वाद्य कर बिसिस्टता उपरे चरचा करु।
- (च) परकिरिति परब 'सरहुल' उपरे संक्षेप में लिखु।
- (छ) हेंठे देल गद्यांस कर नागपुरी में अनुवाद करु :

झारखंड के आदिवासी-सदान की समन्वित संस्कृति का सबसे ताजा उदाहरण है करम तथा सरहुल की पूजा। करम में करम पेड़ की डाली की पूजा एवं करम-धरम की महता को स्वीकार करने की पूजा है तो साखू के फूल पत्तों की पूजा सरहुल में समाज की सुख-समृद्धि के लिए पूजा है। हर आदिवासी-सदान व अन्य के घरों में भी सखुआ फूल खोंसे जाते हैं। यह इनकी समरता एवं समन्वित सांस्कृतिक विरासत का द्योतक है। अतिथि के पाँव आदिवासी-सदानों में कांसे के थाल पर धोने तथा उस प्रक्षालित जल को छप्पर पर फेंकने की संस्कृति है, बाहर दूसरी जगह नहीं। ताकि घर के पूरे परिवार पर अतिथि का आशीर्वाद लगे।

6. नागपुरी साहित्यकार डॉ॰ वल्लभेश्वर प्रसाद केशरी कर जीवन परिचय देते उनकर गोटे रचनामक सूची बनाऊ। 20
7. कहनीकार नईमुद्दीन मिरदाहा कर कहनी 'सोना' उपरे बिस्तार से चरचा करु। 20
8. 'मंडा परब' इया झारखण्ड कर सउब से ऊँचा 'लोध जलप्रपात' उपरे एगो सुन्दर निबन्ध लिखु। 20

